



सुनो अपने दिल की

छोटे से शहर रांची के मध्यमवर्गीय परिवार में पले-बड़े महेंद्र सिंह धौनी ने बड़ा सपना देखा और उसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की। सफलता के प्रति उनकी भूख असीमित थी और खुद पर पूरा विश्वास। इस पर उनका अपने फैसलों पर डट रहना भी उन्हें इस स्तर पर पहुंचाता है। धौनी का सीधा सा मंत्र है—अपने दिल की आवाज जीवन में आए अनुभवों से आती है। खुद को तराशने के बाद आने वाली वह आवाज सही दिशा में ले जाती है।

हार को जीत में बदलने वाले को धौनी कहते हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कानपुर। असफलताओं से सबक लेते हुए एक कदम पीछे लेकर चार कदम आगे की छलांग लगाना सिखाते हैं रांची के राजकुमार महेंद्र सिंह धौनी। उनके जन्मदिन (7 जुलाई) पर उनकी कई आदतें अपनाकर हासिल कर सकते हैं जीवन में नई ऊचाइयां। बीते साल जब महेंद्र सिंह धौनी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, उनका हर फैन बस उन्हें आईपीएल मैच में खेलते देखना चाहता था। इस साल शुरुआती कुछ मैचों में भले ही उनकी टीम वह कमाल नहीं कर पा रही थी, मगर कभी छलांग लगाकर कैच पकड़ते या फिर अपने से कम अनुभवी खिलाड़ियों को खेलने और खुद निर्णय लेने देने जैसी बातों से धौनी दर्शकों का दिल जीतते रहे। जब उनकी टीम ने क्लिनस्वीप मैच जीता, तो न सिर्फ चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के फैन का उत्साह दोगुना हुआ साथ ही यह खुशी धौनी को मैदान पर देखने से और बढ़ गई। आखिर वो एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका हर अंदाज शानदार रहा है।



न्यूज डायरी

पहला ओलिंपिक गोल्ड जीतने वाली टीम के सदस्य रहे केशव दत्त का निधन
एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ओलिंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का दो बार हिस्सा रहे केशव दत्त का आयु संबंधित बीमारियों के कारण बुधवार को निधन हो गया। वह 95 बरस के थे। पूर्व सेंटर हाफबैक दत्त ने कोलकाता के संतोषपुर में अपने निवास पर देर रात साढ़े बारह बजे अंतिम सांस ली। दत्त 1948 में लंदन खेलों में भारतीय टीम का हिस्सा थे जहां भारत ने स्वतंत्रता के बाद पहली बार हॉकी में स्वर्ण पदक जीता। वह हेलसिंकी ओलिंपिक में 1952 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का भी हिस्सा रहे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबम ने बयान में कहा, 'आज तड़के दिग्गज हाफबैक केशव दत्त के निधन के बारे में सुनकर हम सभी को काफी दुख हुआ। वह 1948 और 1952 ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीमों के एकमात्र जीवित सदस्य थे और आज ऐसा लग रहा है कि एक युग का अंत हो गया।'

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने टीम मैनेजमेंट की मांग को ठहराया गलत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। शुभमन गिल के चोटिल होने के बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट ने सेलेक्टर्स से पृथ्वी शॉ और देवदत्त पडीकल को इंग्लैंड भेजने का अनुरोध किया। इसके बाद रिपोर्ट के मुताबिक सेलेक्टर्स ने साफ कर दिया कि, उन्हें इंग्लैंड दौरे पर मौजूद अन्य ओपनर्स के साथ ही मैदान पर उतरना होगा और किसी खिलाड़ी को वहां नहीं भेजा जाएगा। अब गिल की जगह टीम मैनेजमेंट द्वारा दूसरे खिलाड़ियों की मांग पर भारत के पूर्व ऑलराउंडर रतिंदर सोढ़ी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हैरानी जताई कि, जब टीम में केएल राहुल, मयंक अग्रवाल और अभिमन्यू ईश्वरन मौजूद हैं तो उन्हें फिर किसी अन्य ओपनर की जरूरत क्यों है। सोढ़ी ने कहा कि, चेतन शर्मा और सीनियर चयन समिति ने बेहतरीन खिलाड़ियों का चयन किया है और बीस खिलाड़ियों के दल को भेजा गया है। बीस खिलाड़ी पर्याप्त हैं, कुछ नेट गेंदबाज हैं और अन्य रिप्लेसमेंट के तौर पर भेजे गए हैं।

स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फाइनल में इटली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। यूरो कप का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में चिरप्रतिद्वंद्वी इटली और स्पेन आमने-सामने थे। एक बार फिर फाइनल की राह में इटली और स्पेन आमने सामने हुए तो दुनिया भर के फुटबॉलप्रेमियों की नजरें इस मुकाबले पर टिकी रहीं। हालांकि रोमांचक मुकाबले में इटली ने स्पेन पर जीत दर्ज करके यूरो कप के फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। इटली और स्पेन के बीच चल रहे यूरो कप के पहले सेमीफाइनल में जब मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर आ गया तो सारे फुटबॉलप्रेमियों की घड़कनें धम सी गई क्योंकि अब फैंसला पेनल्टी शूटआउट से होना था। डेज़रस, डिफेंस में स्ट्रॉन्ग और हर तरह से जीत को उतावली इटली की टीम स्पेन के लिए हमेशा से दहशत का पर्याय साबित होती आई है। इस बार भी वही हुआ, पेनल्टी शूटआउट में इटली ने स्पेन को 4-2 से हराकर यूरो कप के फाइनल में प्रवेश किया।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड से इस खिलाड़ी को बुलाया वापस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां टीम को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे पहले टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल चोटिल पाए गए हैं। शुभमन गिल लंबे समय से जिस समस्या से जूझ रहे थे। उसके बारे में उन्होंने खुलासा किया। चूंकि, चोट गंभीर है, इसलिए वे तीन महीने के लिए टीम से बाहर रहेंगे। यहां तक कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने चोटिल शुभमन गिल को इंग्लैंड से वापस बुला लिया है। क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो शुभमन गिल को शिन स्ट्रेस फ्रैक्चर है।

खैबर पख्तून ख्वाह से मुंबई तक ... दिलीप कुमार के निधन पर शोक

क्रिकेट

खेल जगत ने भी दिलीप कुमार के निधन पर दुःख जाहिर किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। बुधवार 7 जुलाई को महान अभिनेता दिलीप कुमार का मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में निधन हो गया। वह 98 साल के थे। वह काफी समय से बीमार थे। दिलीप कुमार सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पाकिस्तान में भी काफी लोकप्रिय थे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी ने टिवटर पर दिलीप कुमार को अपनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिलीप कुमार के निधन पर गहरा शोक जाहिर किया। उन्होंने कहा, यूसुफ साहब के फैंस के लिए यह गहरा नुकसान।

उन्होंने ट्वीट किया, हम सब अल्लाह के पास से आए हैं और हमें अल्लाह के पास ही वापस जाना है। खैबर पख्तून-ख्वाह से लेकर मुंबई तक यूसुफ साहब के फैंस के लिए यह बहुत बड़ी क्षति है। वह हमारे दिल में रहते हैं। सायरा बानो साहिबा के लिए मेरी



गहरी संवेदनाएं। भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भी दिलीप कुमार के निधन पर दुःख जाहिर किया है। उन्होंने ट्वीट किया, दिलीप कुमार के परिवार के लिए दिल से संवेदनाएं। महान इनसान ने कहा था, तकदीरें बदल जाती हैं, जमाना बदल जाता है, मुक्तों की तारीख बदल जाती है, शहंशाह बदल

जाते हैं, मगर इस बदलती दुनिया में मोहब्बत जिसका दामन थाम लेती है, वो इनसान नहीं बदलता। धवन ने कहा, दिलीप साहब के जाने से बहुत दुख हुआ। वह एक महान ऐक्टर थे जिन्होंने भारतीय सिनेमा पर बहुत गहरा असर छोड़ा। आने वाली कई पीढ़ियों के लिए वह एक प्रेरणा रहेंगे।

दिलीप कुमार ने बनाया था यशपाल शर्मा का करियर:

नई दिल्ली। महान अभिनेता दिलीप कुमार का 98 साल की उम्र में निधन हो गया। बुधवार, 7 जुलाई 2021 को उन्होंने मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में अपनी आखिरी सांस ली। फिल्मी दुनिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक दिलीप साहब के निधन का शोक है। दिलीप कुमार ने अपने जीवन में कई लोगों की मदद की। इनमें से एक पूर्व क्रिकेटर यशपाल शर्मा भी थे। शर्मा ने कई बार जिक्र किया था कैसे दिलीप कुमार ने उनका करियर बनाया। शर्मा ने कहा था, जब तक मैं जिंदा हूँ एक ही ऐक्टर मेरे फेवरिट रहेंगे। आप लोग उन्हें दिलीप कुमार कहते हैं, मैं उन्हें यूसुफ भाई कहता हूँ। क्रिकेट में मेरी जिंदगी बनाने वाला कोई शख्स है तो वह यूसुफ भाई हैं। 1983 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे शर्मा ने कहा था कि दिलीप कुमार ने ही उन्हें रणजी ट्रॉफी से बीसीसीआई और भारतीय टीम तक पहुंचाया।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले सरे के लिए काउंटी मुकाबला खेल सकते हैं अश्विन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। भारत के शीर्ष स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अगर उनका वर्क वीजा समय से मिल जाता है तो वह इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले सरे की ओर से प्रथम श्रेणी मुकाबला खेल सकते हैं। अश्विन को अगर कार्य वीजा समय से मिलता है तो वह 11 जुलाई से शुरू होने वाले सरे के काउंटी मुकाबले में उतर सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद टीम के अपने अन्य साथियों की तरह अश्विन भी ब्रिटेन में आराम पर हैं। वह इससे पहले नॉटिंगमशर और वॉरसेस्टरशर की ओर से खेल चुके हैं।



अश्विन को अगर समरसेट के खिलाफ द ओवल में होने वाले सरे के मुकाबले के लिए वर्क वीजा मिल जाता है जो उन्हें चार अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट की सीरीज से पहले मैच अभ्यास का बेशकीमती मौका मिल जाएगा। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' की खबर पर है। वह इससे पहले नॉटिंगमशर और वॉरसेस्टरशर की ओर से खेल चुके हैं।

मैच से पहले औपचारिकताएं पूरी हो जाएंगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल गंवाने के बाद भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा था कि टीम ने खिताबी मुकाबले से पहले प्रथम श्रेणी मैच की मांग की थी लेकिन उन्हें नहीं पता कि किस कारण से ऐसा नहीं हुआ।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले अभ्यास मैच खेलने की उम्मीद है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड पहले ही कह चुका है कि उसकी योजना टेस्ट सीरीज से पहले भारत के लिए काउंटी की संयुक्त टीम के खिलाफ अभ्यास मैच के आयोजन की है। भारतीय खिलाड़ी अभी 20 दिन के विश्राम पर हैं और 14 जुलाई को दोबारा एकत्रित होंगे।

प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए शेफाली और स्नेह राणा हुई नामित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा ओपनर बल्लेबाज शेफाली वर्मा और ऑलराउंडर स्नेह राणा को इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद आइसीसी ने दोनों को महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के खिताब के लिए नामित किया है। इन दोनों के अलावा इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन को भी महिला वर्ग में नामित किया गया है। वहीं पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे और तेज गेंदबाज काइल जेमीसन के अलावा दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक को नामित किया गया है। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सभी को प्रभावित कर चुकी 17 साल की शेफाली ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार टेस्ट पदार्पण में दोनों पारियों में अर्धशतक जड़ते हुए 96 और 63 रन की पारी खेली जिसके लिए वह मैच की बेस्ट प्लेयर बनीं। वो डेब्यू टेस्ट दोनों पारियों में अर्धशतक जड़ने वाली भारत की पहली और दुनिया की चौथी खिलाड़ी बनीं। उनका पहली पारी का स्कोर डेब्यू करते हुए किसी भारतीय महिला का बेस्ट स्कोर था।